हिन्दुस्तान www.livehindustan.com
अपने युवा
वाराणसी, गुरुवार, 6 मार्च 2025 07

दीक्षांत मंच से 250 छात्रों को उपाधि

इग्नू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 38वां दीक्षांत समारोह बुधवार को मैदानगढ़ी नई दिल्ली में हुआ। इसके समानांतर बीएचयू के विज्ञान संस्थान स्थित महामना सभागार में विश्वविद्यालय के वाराणसी केंद्र का दीक्षांत भी हुआ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने दीक्षांत भाषण में सभी उपाधिधारक विद्यार्थियों को देश और समाज के हित में कार्य करने की प्रेरणा दी।

बीएचयू में हुए उपाधि वितरण कार्यक्रम के मंच से कुल 250 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं। बीए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की राष्ट्रीय टॉपर आशना माथुर को प्रो. सत्यकाम

बीएचयू के विज्ञान सभागार में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पानेवाली छात्रा आशना माथुर।

और क्षेत्रीय केंद्र निदेशक डॉ. उपेंद्रनभ त्रिपाठी ने स्वर्ण पदक दिया। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 19 जिलों से कुल 3823 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। इनमें 2113 परास्नातक, 1235 स्नातक, 352 डिप्लोमा, 123 सर्टिफिकेट के छात्रों के साथ जेल के आठ कैदी भी शामिल हैं।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेन्द्रनभ त्रिपाठी ने कहा कि दीक्षांत समारोह के बाद छात्र-छात्राओं को डिग्री डिजीलॉकर में भी डाल दी गई है जिसे छात्र लॉगिन पासवर्ड डालकर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अधिक संख्या होने से वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के उपाधि वितरण समारोह में स्नातकोत्तर, स्नातक और एमबीए के छात्रों को दीक्षांत समारोह में शामिल किया गया।

क्षेत्रीय केंद्र के सहायक कुलसचिव योगेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार और डॉ. श्रवण कुमार पाण्डेय ने उपाधि वितरण का प्रबंधन किया।

बीएचयू के विज्ञान सभागार में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के 38 वां दीक्षांत समारोह में उपाधि पानेवाले विद्यार्थियों के साथ क्षेत्रीय निदेशक डॉ उपेंद्र नभ त्रिपाठी (बाएं), राजर्षि टंडन मुक्त विवि के वीसी प्रो सत्यकाम(दाएं)।

आईएएस बन देशसेवा करना चाहती हैं आशना

वाराणसी। इग्नू-क्षेत्रीय केंद्र से स्नातक पाठ्यक्रम की राष्ट्रीय टॉपर आशना माथुर आईएएस बनने के लिए तैयारी में लगी है। डाफी निवासी आशना ने बताया कि उनके पिता अनिमेष माथुर शिक्षक और मां संजना माथुर गृहिणी हैं। पिता अनिमेष ने बताया कि कोविड के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं से आशना प्रेरित हुई और 12वीं के बाद दूरस्थ शिक्षा से आगे की पढ़ाई जारी रखी। क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि आशना ने सत्र 2021 में हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज स्थित केंद्र से नामांकन कराया था। जून-2024 में बीएचयू परीक्षा केंद्र पर उन्होंने अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा दी।

युवा जागरण
दैनिक जागरण
www.jagran.com
वाराणसी, 6 मार्च, 2025
वाराणसी जागरण

इग्नू के दीक्षा समारोह में आशना को गोल्ड, 3,823 को उपाधि

क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी का आयोजन, छात्रों में उत्साह, दूरस्थ शिक्षण पद्धति से उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू की भूमिका अहम : प्रो. सत्यकाम

जागरण संवाददाता, वाराणसी: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी में दीक्षा समारोह में उपाधि पाकर विद्यार्थी चहक उठे। बीएचयू के संगोष्ठी संकुल में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान 3823 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, इसमें जेल के आठ कैदी भी रहे। 1235 छात्रों को स्नातक, 2113 परास्नातक, 352 डिप्लोमा और 123 छात्रों को सर्टिफिकेट मिला। बनारस के नैपुराकला गांव की रहने वाली छात्रा आशना माथुर को बीए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल दिया गया।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षण पद्धति से देश के कोने-कोने तक गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू की भूमिका अहम है। भारतीय ज्ञान परंपरा, विज्ञान व तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच सुगम हुई। 'शिक्षा सबके द्वार' की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है, जो अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए समाज के हर वर्ग को शिक्षा प्रदान करती है। तीन लाख से अधिक उपाधि धारकों को दीक्षित करना अपने आप में सफलता का द्योतक है। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. उपेन्द्र नभ त्रिपाठी ने कहा कि 38वें दीक्षा समारोह में देश भर में कुल 3,13,870 छात्र-छात्राओं को डिग्री मिली है, यह डिग्रियां डिजी लाकर में भी डाली जाती हैं जिसे छात्र लागिन पासवर्ड कर प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान पूर्वांचल के 19 जनपदों में विद्यार्थियों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहा है। इग्नू के इंटरनेट आधारित आभासी माध्यमों से विद्यार्थियों को सतत इंटरएक्टिव रेडियो काउंसिलिंग का आयोजन कर न केवल अकादमिक एवं प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया, बल्कि डिजिटल इंडिया अभियान से इग्नू में भी सभी प्रक्रिया आनलाइन होने से भी विद्यार्थियों को सहूलियतें प्रदान की गईं। केंद्र की तरफ से पिछले वर्ष छात्रों को विभिन्न जानकारियां करीब चार लाख एसएमएस के माध्यम से भेजी गईं। सोशल मीडिया हैंडल पर करीब 20 हजार विद्यार्थी जुड़े हैं। बता दें कि मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में आयोजित हुआ, यहां मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रहे। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा की महत्ता को रेखांकित करते हुए मानव जीवन में शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

बीएचयू स्थित विज्ञान संकुल के सभागार में इग्नू के 38वें दीक्षा समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम व इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. उपेन्द्र नभ त्रिपाठी ● जागरण

सिविल सेवा की तैयारी करेंगी आशना, पिता पढ़ाते हैं ट्यूशन

मेडल व डिग्री संग आशना माथुर व पिता अमिश माथुर।

गोल्ड मेडल मिलने के बाद आशना ने बताया कि वह सिविल सेवा की तैयारी कर रही हैं, उनके पिता अमिश माथुर ट्यूशन पढ़ाते हैं। अभावों के बीच मेहनत से उन्होंने सफलता हासिल की है। वह इंटरनेट मीडिया से काफी दूरी बनाकर रहतीं हैं। अधिकांश वक्त किताबों के अध्ययन में गुजरता है। आशना ने इग्नू के जुलाई सत्र 2021 में इग्नू अध्ययन केंद्र हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदागिन में दाखिला लिया था, जबकि जून 2024 में परीक्षा दी और 71.94 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। अमिश माथुर ने बताया कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनकी एकलौती पुत्री को आइएएस बनाना चाहते हैं, इग्नू के पाठ्यक्रम की उच्चस्तर की अध्ययन सामग्री को देखते हुए इग्नू में पुत्री का नामांकन कराया ताकि पढ़ाई के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी हो सके।

कैंपस प्लेसमेंट में सक्रिय भागीदारी : डा. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए कई वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। बीते वर्ष कैंपस प्लेसमेंट के दौरान इग्नू के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। उन्नत भारत अभियान से टिकरी गांव को क्षेत्रीय केंद्र ने गोद लिया है, यहां पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को लेकर कार्य हो रहे हैं। वर्ष 2023-24 में 16,205 छात्र पंजीकृत हुए। इनके लिए 1300 एकेडमिक काउंसलर जुड़े। समारोह में सहायक कुलसचिव योगेश कुमार, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार व डा. श्रवण कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

amarujala.com/varanasi

my city

वाराणसी | बृहस्पतिवार • 06.03.2025

अमर उजाला

5

Campus

3823 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि जेल में 8 कैदियों को भी मिली डिग्री

बोले मुख्य अतिथि, दूरस्थ शिक्षा पद्धति से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहा इग्नू, तकनीक का प्रयोग बढ़ा

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में 3823 छात्र/छात्राओं को उपाधि दी गई। इसमें जेल में 8 कैदियों ने भी सफलता हासिल की है। इसके अलावा 2113 परास्नातक, 1235 स्नातक, 352 डिप्लोमा और 123 सर्टिफिकेट के विद्यार्थियों को डिग्री मिली। समारोह में हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज के अध्ययन केंद्र से बीए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में सर्वोच्च अंक हालिस करने पर छात्रा आशना माथुर को स्वर्ण पदक दिया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इग्नू ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। इग्नू ने विगत वर्षों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्र के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरुआत की। विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में आयोजित समारोह में कुलपति ने कहा कि इग्नू ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान-तकनीकी क्षेत्र के लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरूआत कर देश के लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को अत्यंत सुगम कर दिया है।

विज्ञान संस्थान में इग्नू के दीक्षांत समारोह में शामिल छात्र-छात्राएं। संवाद

आशना माथुर

उन्होंने इग्नू के कार्यक्रम 'शिक्षा सबके द्वार' की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए समाज के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान करती है।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र द्वारा छात्रों को इग्नू की हर गतिविधि की जानकारी एसएमएस के माध्यम से मिल रही है। क्षेत्रीय केंद्र के बेहतर छात्र सहयोग सेवाओं एवं उच्च स्तरीय एकेडमिक काउंसलर की उपलब्धता को देखते हुए 17 कार्यक्रमों के लिए क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी को नोडल सेंटर बनाया गया।

वर्ष 2023-24 सत्र के लिए वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के तहत कुल पंजीकृत छात्रों की संख्या लगभग 16,205 है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार, डॉ. श्रवण कुमार पांडेय मौजूद रहे।

इग्नू ने देश में लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को किया सुगम

वाराणसी (एसएनबी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का 38वां दीक्षांत समारोह बुधवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में हुआ। इसमें मुख्य अतिथि भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रहे।

उन्होंने दूरस्थ शिक्षा को रेखांकित करते हुए मानव जीवन में शिक्षा की महत्ता पर बल दिया। इस अवसर पर इग्नू के कुलपति प्रो. उमा कांजिलाल ने इग्नू की भूमिका पर प्रकाश डाला और दूरस्थ शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य के बारे में बताया। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी द्वारा यह समारोह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संगोष्ठी संकुल विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में आयोजित किया गया। शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं डॉ. उपेंद्र नभ त्रिपाठी, क्षेत्रीय निदेशक इग्नू द्वारा मां सरस्वती व मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षण पद्धति से देश के कोने-कोने तक गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू ने अहम भूमिका निभाई है। इग्नू ने विगत वर्षों में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्र के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरूआत कर देश के लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को अत्यंत सुगम कर दिया है। अन्य कार्यक्रमों को भी एनईपी 2020 के अनुरूप इग्नू द्वारा पूर्णतः पुनरीक्षित कर लिया गया है। 2030 तक 50 प्रतिशत का उच्च शिक्षा का सकल पंजीकरण अनुपात प्राप्त करने की कल्पना भी इग्नू के

इग्नू का 38वां दीक्षांत

क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी से आठ कैदी समेत कुल 3823 विद्यार्थी शामिल रहे

बिना अधूरी है। उन्होंने कहा कि इग्नू विश्व का विशालतम विश्वविद्यालय है। दीक्षांत समारोह में तीन लाख से ज्यादा उपाधि धारको को दीक्षित करना अपने आप में इसकी सफलता का द्योतक है। उन्होंने सभी दीक्षित उपाधि धारकों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि 38वें दीक्षान्त समारोह में देशभर में कुल तीन लाख तेरह हजार आठ सौ सत्तर (3,13,870) छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई जो इग्नू के लिए गर्व की बात है। क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी से कुल 3823 छात्र/छात्राएं शामिल है जिसमें आठ जेल कैदियों की भी उपाधि शामिल है।

इस बार के दीक्षांत समारोह में क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी की छात्रा आशना माथुर को (बीएपीएएच) बीए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया जो इग्नू के जुलाई सत्र 2021 में इग्नू अध्ययन केन्द्र हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदागिन, वाराणसी पर नामांकित है और जून 2024 में बीएचयू वाराणसी परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा में सम्मिलित होकर अपने कार्यक्रम को समय से पूर्ण किया है जो क्षेत्रीय केन्द्र के लिए गौरव की बात है। इग्नू मुख्यालय अपने पूर्व छात्रों से जुड़ने के लिए पूर्व छात्र पंजीकरण की ऑनलाइन सुविधा भी प्रदान की है। इसमें क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के लगभग 5500 छात्रों द्वारा अपना ब्यौरा दर्ज किया जा चूका है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेन्द्र नभ त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि प्रो.सत्यकाम को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। योगेश कुमार, सहायक कुलसचिव, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार एवं डॉ. श्रवण कुमार पाण्डेय ने दीक्षांत कार्यक्रम के उपाधि वितरण का प्रबंधन का संचालन किया।